# निराला शिव भोला देव निराला भजन लिरिक्स

निराला शिव भोला देव निराला,
अमृत देवों को देकर,
जहर को खुद पी डाला,
निरालां शिव भोला देव निराला।bd।

---

सर्प बिच्छू श्रृंगार हैं इनके,
माथे चंदा दमके,
नंदी बैल सवारी इनकी,
शीश से गंगा छलके,
बड़ा ही सुंदर लागे भोला,
बाघमबर वाला,
निरालां शिव भोला देव निराला।bd।

---

जिनका ना कोई माई बाप है,
न कोई भईया बहना,
ताऊ चाचा मामा मौसा,
फूफा भी कोई है ना,
मुंह बोले ही रिश्तों का,
परिवार बना डाला,
निरालां शिव भोला देव निराला।bd।

---

चोर चढ़ा शिव लिंग के ऊपर,
जाऊंगा घंटे लेकर,
प्रगट हुए जब शिव शंकर,
सहम गया वो डर कर,
देख समर्पण भोले ने,
धनवान बना डाला,
निरालां शिव भोला देव निराला।bd।

---

जल के इक लोटे से ही,
शिव जी खुश हो जाते,
दीन भाव से जो भी,
इनके द्वारे पे आ जाते,
‘श्याम’ बड़ा है दयालु भोला,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भक्तों का रखवाला,
निरालां शिव भोला देव निराला ।bd।

निराला शिव भोला देव निराला,
अमृत देवों को देकर,
जहर को खुद पी डाला,
निरालां शिव भोला देव निराला ।bd।

लेख एवं स्वर – घनश्याम मिढ़ा।
भिवानी, मोबाइल – 9034121523

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com